आपस्तम्ब धर्मसूत्र एक अनुशीलन

विषयानुक्रम

प्राक्कथन

संकेत सूची

प्रथम अध्याय - धर्मसूत्र : एक सामान्य परिचय 1 – 29

धर्मसूत्रों का उद्भव

धर्मसूत्रों की संख्या

यजुर्वेदीय धर्मसूत्र

आपस्तम्बधर्मसूत्र काल एवं वर्ण्य–विषय

द्वितीय अध्याय - धर्मविवेचन 30 – 59

धर्म शब्द का तात्पर्य, स्वरूप एवं आचरण

यज्ञ एवं उसका स्वरूप

यज्ञ के प्रकार

होम

बलि–कर्म

तृतीय अध्याय - आश्रम-व्यवस्था-वर्णन 60 – 94

ब्रह्मचर्य-आश्रम

गृहस्थ-आश्रम

वानप्रस्थ आश्रम

संन्यास आश्रम

चतुर्थ अध्याय - वर्ण-व्यवस्था-वर्णन 95 – 115

चार्तुवर्ण्य कल्पना

ब्राह्मण–वर्ण–धर्म एवं उसके कर्त्तव्य।

क्षत्रिय–वर्ण–धर्म एवं उसके कर्त्तव्य।

वैश्य–वर्ण–धर्म एवं उसके कर्त्तव्य।

शूद्र– वर्ण–धर्म एवं उसके कर्त्तव्य।

पंचम अध्याय : संस्कार निरूपण 116 – 165

उपनयन

वेदाध्ययन

समावर्त्तन

व्रात्य एवं उसका संस्कार

विवाह

अन्त्येष्टि

षष्ट अध्याय : श्राद्ध-निरूपण 166 – 195

श्राद्ध का अर्थ एवं महत्त्व

श्राद्ध की तिथि

श्राद्धीय–ब्राह्मण

योग्यता

संख्या

श्राद्धकालीन होम

श्राद्ध के भोज्य पदार्थ

श्राद्ध का फल

सप्तम अध्याय : राज्य व्यवस्था एवं राजतन्त्र 196– 219

राजा एवं राजतन्त्र

सेवक

कर

दण्ड-विधान

अष्टम अध्याय : प्रायश्चित्त विवेचन 220 – 236

वध विषयक, प्रायश्चित्त

मानव-वध

पशु-वध

चौर-कर्म विषयक प्रायश्चित्त

अपतनीय प्रायश्चित्त

नवम अध्याय : विविध विषय-विवेचन 237 – 273

योग-वर्णन

योग शब्द का अर्थ एवं उसका उपदेश

आत्म-ज्ञान की महत्ता।

आत्मा का स्वरूप

आत्म ज्ञान से मोक्ष प्राप्ति

अतिथि–सत्कार

श्रेयस् प्राप्ति निमित्त आचरण

दान

भक्ष्य–अभक्ष्य विचार

नियोग–वर्णन

आशौच विवरण

सन्दर्भ ग्रन्थ-सूची 274 – 282